लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

LOK SABHA SPEAKER GREETS PEOPLE ON THE EVE OF DUSSEHRA/लोक सभा अध्यक्ष ने दशहरा की पूर्व संध्या पर लोगों को शुभकामनाएं दीं

...

New Delhi; October 11, 2024: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla has greeted the people on the eve of Dussehra.

In his message, Shri Birla has said,

"My dear countrymen,

Best wishes to all on the auspicious festival of “Vijayadashami” i.e. “Dussehra”. This festival, which comes after nine days of sadhana, is a rich form of the spiritual and cultural heritage of our country. Vijayadashami is a symbol of our eternal values of victory of justice over injustice and good over evil. This is also a symbol of the strength of our Nari Shakti.

It was on the day of Vijayadashami that Maryada Purushottam Lord Shri Ram conquered Ravana and Maa Durga conquered Mahishasura. This festival reminds us that when we walk on the path of truth and dharma, we are sure to win. Vijayadashmi is celebrated with great joy and enthusiasm in every part of the country. It is not just a celebration, but a festival of our cultural heritage.

My dear friends, Ravana Dahan in Dussehra does not mean just burning an effigy, but to eliminate the evils in society and within ourselves. We have to move forward in the direction of positivity by removing negativity. Today, let us all take a pledge that we will always follow the path of truth, religion, justice. By staying united, we will build a strong and advanced nation.

Once again, best wishes to all of you on Vijayadashmi!

Jai Shri Ram!

नई दिल्ली; 11 अक्टूबर, 2024: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने दशहरा की पूर्व संध्या पर लोगों को शुभकामनाएं दी हैं।

अपने संदेश में श्री बिरला ने कहा है,

मेरे प्रिय देशवासियों,

आप सभी को "विजयादशमी" यानि "दशहरे" के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ। नौ दिनों की साधना के बाद आने वाला यह पर्व हमारे देश की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का समृद्ध स्वरूप है। विजयादशमी का यह पर्व अन्याय पर न्याय और बुराई पर अच्छाई की विजय के हमारे शाश्वत मूल्यों का प्रतीक है।यह पर्व हमारी नारी शक्ति के सामर्थ्य का भी प्रतीक है।

विजयादशमी के दिन ही मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम ने रावण पर और माँ दुर्गा ने महिषासुर पर विजय प्राप्त की थी। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि जब हम सत्य और धर्म के मार्ग पर चलते हैं , तो निश्चय ही हमारी विजय होती है। विजयदशमी देश के प्रत्येक हिस्से में पूरे उल्लास और उत्साह से मनाया जाता है। यह केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर का पर्व है।

मेरे प्रिय साथियों, दशहरे में रावण दहन का अर्थ सिर्फ एक पुतले को जलाना नहीं है, बल्कि समाज और अपने भीतर की बुराइयों को खत्म करना है। नकारात्मकता को दूर कर सकारात्मक की दिशा में आगे बढ़ना है। आज हम सभी संकल्प लें कि हम सदैव सत्य, धर्म, न्याय के मार्ग पर चलेंगे। एकजुट रहकर हम एक सशक्त और उन्नत राष्ट्र का निर्माण करेंगे।

आप सभी को विजयादशमी की पुनः शुभकामनाएँ!

जय श्रीराम!